कुछ ऐसे लोग हुआ करते

निर्मल चन्द 'निर्मल'

Scanned with OKEN Scanner

मूल्य – साठ रूपये
प्रकाशक – साहित्य सागर प्रकाशन
सागर (म.प्र.)
सर्वाधिकार – निर्मल चन्द "निर्मल"
प्रथम संस्करण – पांच सौ प्रतियाँ/2003
कम्पोजिंग – दीप कम्प्यूटर्स, झिरना परकोटा, सागर (म.प्र.)
मुद्रक – श्रद्धा ऑफसेट, वृन्दावन बाग, बस स्टेंड के पास सागर
फोन नं. 221389, 240414, 222280

Scanned with OKEN Scanner

(25) इन्दिरा जी के प्रति
(26) सद्भावना दिवस पर
(27) प्यारे भाई
(28) सम्मान बोध
(29) महात्मा गाँधी की कलम से
(30) बड़ा आदमी
(31) ऋण तो अदा करो
(32) रामराज्य और हम
(33) 26 जनवरी 2001
(34) आतंकवाद–एक निवेदन
(35) आतंकवाद–एक अभिशाप
(36) ये खून किसका है
(37) एक चेतावनी पाकिस्तान को
(38) क्या लिखूँ क्या न लिखूँ
(39) कैसा आया आज जमाना
(40) बच्चे सीखते हैं
(41) हम महान हैं
(42) इन फ़िजाओं को यही मंजूर है
(43) उजाले देखो
(44) फूले नहीं समाने लोग
(45) दोहे
(46) घरघूला
(47) तनक सोचो तो (बुन्देली)
(48) दरारों पर लिखो

Scanned with OKEN Scanner

महात्मा गांधी

पावन सरस भावना का संग्रहालय तुम्हें कहूँ
वृहद संस्था अमर विश्वविद्यालय तुम्हें कहूँ

उमड़ी हैं अनगिन विचार की धारायें तुमसे
हिन्द महासागर कह दूं हिम–आलय तुम्हें कहूँ

तुम मापदण्ड आदर्शों के जनजन के मानस में
सत्त्विकता के मूर्तरूप देवालय तुम्हें कहूँ

जिनका कोई नहीं उनके तुम आश्रयदाता थे
दीन दुखी असहायों का करूणालय तुम्हें कहूँ

विश्व चेतना के प्रतीक वाणी हो जन जन की
सरस्वती के वरद पुत्र शब्दालय तुम्हें कहूँ

युग चेतक सुधियाँ चेती हैं और यथा चेतेंगी
सदियों के तुम समय सार समयालय तुम्हें कहूँ

कलम हुई असमर्थ लिखे क्या गांधी महिमा पर
कलयुग में विस्मय स्वरूप विस्मयालय तुम्हें कहूँ।

Scanned with OKEN Scanner

मुद्रक :
श्रद्धा ऑफसेट
वृन्दावन बाग, बस स्टेण्ड के पास, सागर
दूरभाष : 240414, 222280, 221389

Scanned with OKEN Scanner